हरिभूमि
कांकेर भूमि
रायपुर, मंगलवार 16 जून 2026

तापमान

अधिकतम 37.0 डिग्री

न्यूनतम 27.0 डिग्री

12 ग्रामसभा के फैसले के बाद गांवों में विवाद पर कठोर...

10 शिक्षा बदल रही महिलाओं की तकदीर आत्मनिर्भरता...

खबर संक्षेप

प्रो-कबड्डी प्रीमियर लीग का समापन 18 जून को

दुर्गुकोंदल। ग्राम हामतवाही में आयोजित हामतवाही प्रो-कबड्डी प्रीमियर लीग 2026 का समापन समारोह 18 जून को आयोजित किया जाएगा। रात्रिकालीन कबड्डी प्रतियोगिता में विभिन्न टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले खेले जा रहे हैं, जिन्हें देखने बड़ी संख्या में खेल प्रेमी पहुंच रहे हैं। आयोजन समिति ने विधायक आशाराम नेताम को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया है। समापन अवसर पर विजेता एवं उपविजेता टीमों को सम्मानित किया जाएगा तथा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया जाएगा।

सड़क दुर्घटना में गंभीर घायल युवक की मौत

कांकेर। चारामा थानांतर्गत बाबूकोहका पुल के पास 14 जून को शाब 4 बजें सड़क दुर्घटना में घायल मध्यप्रदेश के आदर्श नगर हरदूआकला मैहर सतना निवासी 23 वर्षीय सत्यम शुक्ला पिता आशीष शुक्ला का मौत हो गया। नागेंद्र तिवारी ने पुलिस को बताया कि ट्रक वाहन के चालक द्वारा वाहन को तेज व लारवाही पूर्व चलने से आई गंभीर चोट के कारण हुआ। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया।

राजस्व ग्राम पटेल संघ की बैठक कल

कांकेर। राजस्व ग्राम पटेल संघ तहसील कांकेर का आवश्यक बैठक 17 जून बुधवार को गोंडवाना समाज भवन सिंगारभाट में रखा गया है, जिसमें विभिन्न विषय के साथ साथ नया नियुक्ति, परिचय कार्ड जैसे प्रमुख विषय पर संघ के द्वारा चर्चा किया जाएगा। तहसील कांकेर के अंतर्गत आने वाले 105 ग्राम के पटेल से अव्हान किया गया कि बैठक स्थल पर समय पर पहुंचे। उक्त जानकारी राजस्व पटेल संघ तहसील कांकेर के कोषाध्यक्ष माखन सिंह मंडावी के द्वारा दिया गया।

4 लीटर महुआ शराब बरामद

कांकेर। थाना कांकेर अंतर्गत ग्राम कोदाभाट में पुलिस ने छापामार कार्यवाही करते हुए आरोपी कोदाभाट निवासी 37 वर्षीय जितेंद्र

वट्टी पिता स्व. बिसाहू वट्टी को महुआ शराब के साथ पकड़ा गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 14 जून को मुखबिर से जानकारी मिला कि आरोपी अपने कब्जे में महुआ शराब रखा हुआ है और बेचने के लिए ग्राहक कि तलाश में है। पुलिस मौके पर पहुंची आरोपी के कब्जे से 4 लीटर महुआ शराब व नगद 100 रूपएं को जप्त कर धारा 34 (1) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

नशा निवारण जागरूकता अभियान 26 को

कांकेर। राज्य शासन द्वारा दिए गए निर्देशानुसार नशापान की बढ़ती प्रवृत्ति पर प्रभावी नियंत्रण एवं नशामुक्त समाज के निर्माण के उद्देश्य से 26 जून को अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के अवसर पर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर द्वारा अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के सफल आयोजन के लिए जिले के विभिन्न विभागों, शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। जारी निर्देशानुसार नशापान करने की प्रवृत्ति पर प्रभावी नियंत्रण एवं समाज में नशामुक्ति के पक्ष में सकारात्मक वातावरण निर्मित किए जाने के लिए रेडियो एवं दूरदर्शन के माध्यम से नशामुक्ति कार्यक्रमों का प्रसारण करने कहा गया है। कलेक्टर ने नशा पीड़ितों से प्रत्यक्ष संवाद विकसित कर उन्हें नशापान के दुष्परिणामों की जानकारी देने तथा समारोह स्थल पर प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं नशामुक्ति साहित्यों का वितरण करने के लिए निर्देशित किया है।

एसबीआई मुख्य शाखा के सामने अव्यवस्थित पार्किंग से बिगड़ी यातायात

दूध नदी पुल से घड़ी चौक तक रोजना जाम है, यातायात पुलिस की नाकामी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

शहर की यातायात व्यवस्था इन दिनों गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। विशेष रूप से एसबीआई मुख्य शाखा के सामने अव्यवस्थित पार्किंग की समस्या अब आम नागरिकों, राहगीरों और वाहन चालकों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन गई है। बैंक परिसर के आसपास पार्किंग की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण लोग अपने दोपहिया और चारपहिया वाहन सड़क किनारे ही खड़े कर देते हैं, जिससे यातायात प्रभावित हो रहा है और दुर्घटनाओं की आशंका भी लगातार बनी हुई है।

स्थिति केवल बैंक परिसर तक सीमित नहीं है। मुख्य मार्ग एवं राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) से लगे बाजार क्षेत्र में भी कई वाहन चालक अपनी कारें सड़क पर खड़ी कर दुकानों में खरीदारी करने चले जाते हैं। सड़क पर खड़ी इन कारों के कारण यातायात का प्रवाह बाधित होता है और कई बार लंबा जाम लग जाता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कुछ मिनटों के लिए वाहन खड़े करने की लापरवाही पूरे मार्ग की व्यवस्था बिगाड़ देती है। व्यस्त समय में लोगों को कई मिनट तक जाम में फंसकर इंतजार करना पड़ता है। नगर के नागरिकों और व्यापारियों के अनुसार सबसे अधिक परेशानी दूध नदी पुल से घड़ी चौक तक के मार्ग में देखने को मिलती है। यह क्षेत्र शहर का प्रमुख आवागमन मार्ग है, जहां दिनभर लोगों और वाहनों की आवाजाही बनी रहती है। सड़क किनारे अनियोजित पार्किंग, दुकानों के सामने खड़े वाहन और यातायात नियमों की अनदेखी के कारण यहां अक्सर जाम जैसी स्थिति निर्मित हो जाती है। इससे स्कूल जाने वाले बच्चों, कार्यालय कर्मचारियों, मरीजों और आम नागरिकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यातायात विभाग और संबंधित अधिकारियों द्वारा समय-समय पर कार्रवाई तो की जाती है, लेकिन स्थायी समाधान की दिशा में कोई ठोस पहल नजर नहीं आती। यदि बैंक के सामने पार्किंग स्थल चिन्हित किया जाए, मुख्य मार्ग पर नो-पार्किंग क्षेत्र निर्धारित किए जाएं और नियमित निगरानी रखी जाए, तो समस्या काफी हद तक कम हो सकती है। साथ ही बस संचालकों को भी केवल निर्धारित स्टॉप पर ही बस रोकने के निर्देशों का सख्ती से पालन कराया जाना चाहिए।

खास बातें

- व्यवस्था पर उठ रहे सवाल पर जवाब नहीं मिल रहा
- यात्रियों को बैठाने के लिए कहीं भी रोक देते हैं बस, आपरेटरों की मनमानी पर अंकुश नहीं

एसबीआई के सामने की सड़क घिरा रहता है वाहनों से

शहर के सबसे व्यस्त क्षेत्रों में शामिल एसबीआई मुख्य शाखा के सामने प्रतिदिन लोग बैंकिंग कार्यों के लिए पहुंचते हैं। लेकिन यहां पार्किंग के लिए कोई स्पष्ट और सुव्यवस्थित व्यवस्था दिखाई नहीं देती। परिणामस्वरूप वाहन चालक जहां जगह मिलती है, वहीं वाहन खड़े कर देते हैं। कई बार सड़क का बड़ा हिस्सा वाहनों से घिर जाता है, जिससे अन्य वाहनों के आवागमन में बाधा उत्पन्न होती है। पैदल चलने वाले लोगों को भी सड़क पर उतरकर चलने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

यात्री बिठाने कहीं भी रोकते हैं बस

यातायात व्यवस्था को प्रभावित करने में बसों का अनियमित संचालन भी एक बड़ा कारण बनता जा रहा है। नागरिकों का आरोप है कि कई बस संचालक यात्रियों को बैठाने के लिए निर्धारित बस स्टॉप की बजाय सड़क पर कहीं भी बस रोक देते हैं। इससे पीछे चल रहे वाहनों की गति अचानक प्रभावित होती है और जाम की स्थिति बन जाती है। हालांकि यात्रियों को उतारने के समय अधिकांश बसें निर्धारित स्टॉप का उपयोग करती हैं, लेकिन सवारियां चढ़ाने के दौरान नियमों की अनदेखी आम बात हो गई है। इससे सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था दोनों प्रभावित हो रही हैं।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत एक्टिवा चालक पर मामला दर्ज

कांकेर। थाना पखांजुर क्षेत्र के पीव्ही-47 मेन रोड के पास रविवार सुबह हुई सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मामले में एक्टिवा चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

पीव्ही 47 राधानगर निवासी 35 वर्षीय माधव हलधर पिता माखन हलधर ने पुलिस को बताया कि ग्राम गोण्डाहूर कॉलोनी निवासी 25 वर्षीय किशोर हलधर 14 जून की सुबह करीब 6 बजे अपनी मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 19 बीडब्ल्यू 5266 से राजमिस्त्री का कार्य करने के लिए पीव्ही-27 हृदयपुर हांकेर जा रहा था। सुबह लगभग साढ़े 9 बजे मुझे अश्वनी मंडल ने फोन पर जानकारी दी कि पीव्ही-47 मेन रोड के पास किशोर का सड़क हादसा हो गया है और उसके सिर में गंभीर चोट लगी है। सूचना मिलने पर अपने साथियों के साथ घटनास्थल पहुंचे। वहां किशोर गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़ा हुआ था। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि विपरीत दिशा से आ रही एक्टिवा स्कूटी के चालक ने तेज एवं लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए किशोर की मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे यह दुर्घटना हुई। घटना के बाद स्थानीय लोगों एवं 108 एम्बुलेंस की सहायता से घायल किशोर को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पखांजूर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी वाहन चालक के खिलाफ धारा धारा 106(1) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

गैस सिलेंडर के लिए सुबह से शाम तक कतार पर उपभोक्ता एवं गर्मी का कहर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

शहर में घरेलू गैस सिलेंडर लेने पहुंचे उपभोक्ताओं को इन दिनों भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गैस एजेंसी के बाहर प्रतिदिन लोग सिलेंडर लेने के लिए पहुंच रहे हैं, जहां उन्हें घंटों लंबी कतार में खड़े रहना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि कई उपभोक्ता सुबह से लाइन में लग जाते हैं, लेकिन उन्हें सिलेंडर मिलने में शाम हो जाती है। भीषण गर्मी और तेज धूप के बीच लोगों की परेशानी और भी बढ़ गई है।

- गैस सिलेंडर के लिए घंटों लाइन में खड़े रहने को मजबूर उपभोक्ता

सोमवार को शहर की गैस एजेंसी के बाहर उपभोक्ताओं की भीड़ देखने को मिली। महिलाएं, बुजुर्ग और ग्रामीण क्षेत्र से आए लोग सिलेंडर प्राप्त करने के लिए कतार में खड़े नजर आए। कई लोगों ने बताया कि वे सुबह से एजेंसी पहुंचे हुए हैं, लेकिन लंबे इंतजार के बाद भी उनकी बारी नहीं आ पा रही है। गर्मी के कारण लोगों को पेयजल और छाया की पर्याप्त व्यवस्था नहीं मिलने से उन्हें अतिरिक्त कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उपभोक्ताओं का कहना है कि गैस सिलेंडर घरेलू जरूरत की सबसे महत्वपूर्ण वस्तुओं में से एक है। खाना बनाने सहित कई आवश्यक कार्य इसके बिना प्रभावित हो जाते हैं। ऐसे में सिलेंडर प्राप्त करने के लिए पूरे दिन लाइन में खड़े रहना आम लोगों के लिए बड़ी समस्या बन गया है।

ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोगों को विशेष रूप से परेशानी झेलनी पड़ रही है, क्योंकि उन्हें परिवहन और समय दोनों की अतिरिक्त लागत उठानी पड़ रही है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन और संबंधित गैस एजेंसी प्रबंधन से मांग की है कि उपभोक्ताओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए वितरण व्यवस्था को और अधिक सुचारु बनाया जाए और साथ ही प्रतीक्षा कर रहे लोगों के लिए छाया, पेयजल और बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि आम लोगों को घंटों धूप में खड़े रहने की मजबूरी से राहत मिल सके।

टोकन प्रणाली, समय स्लॉट या अतिरिक्त काउंटर की मांग

कतार में खड़े कई लोगों ने बताया कि एजेंसी में भीड़ को नियंत्रित करने और वितरण प्रक्रिया को व्यवस्थित बनाने की आवश्यकता है। उनका कहना है कि यदि टोकन प्रणाली, अलग-अलग समय स्लॉट या अतिरिक्त काउंटर की व्यवस्था की जाए तो उपभोक्ताओं को राहत मिल सकती है। वहीं महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध कराने की भी मांग उठाई जा रही है।

स्वनिधि लोन महोत्सव में पथ-फुटकर विक्रेताओं को मिला बेहतर अवसर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत पथ एवं फुटकर विक्रेताओं को स्वरोजगार के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पुराना कम्युनिटी हॉल में प्रधानमंत्री स्वनिधि लोन महोत्सव मेले का आयोजन किया गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी पवन कुमार मेरिया ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य पथ विक्रेताओं, शहरी गरीबों एवं असंगठित श्रमिकों को वित्तीय समावेश, डिजिटल सशक्तीकरण एवं सामाजिक सुरक्षा लाभों से जोड़ना है। मेले में बड़ी संख्या में पथ एवं फुटकर विक्रेताओं ने अपने व्यवसाय के विस्तार के लिए ऋण आवेदन जमा किए। अग्रणी बैंक सहित विभिन्न राष्ट्रीयकृत बैंकों के काउंटर लगाए गए, जहां आवेदकों को ऋण प्रक्रिया, पात्रता और अन्य आवश्यक जानकारियां प्रदान की गई। मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने निकाय क्षेत्र के सभी पथ और फुटकर विक्रेताओं से अपील की है कि आवश्यक दस्तावेजों के साथ शिविर में उपस्थित होकर प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का लाभ उठाएं और अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए ऋण सुविधा प्राप्त करें। शिविर संचालन के सफल संचालन के लिए मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है। शिविर में ऋण प्राप्त करने के इच्छुक हितग्राहियों से आधार कार्ड, बैंक पासबुक, पैन कार्ड की छायाप्रति और पासपोर्ट आकार का फोटो जमा करने को कहा गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने बताया कि कांकेर के न्यू कम्युनिटी ▶▶| शेष पेज 10 पर

- स्वनिधि लोन महोत्सव का आयोजन, स्वरोजगार को मिलेगी मजबूती

पैराडाइज स्कूल ने सिनेमा कार्यक्रम की शुरुआत की

कांकेर। छात्रों में नैतिक मूल्यों, संस्कारों एवं सामाजिक दायित्वों के विकास के उद्देश्य से 15 जून को पैराडाइज हायर सेकेण्डरी स्कूल में पैराडाइज ऑन स्कूल सिनेमा कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इसके प्रभावी संचालन के लिए शिक्षकों का विशेष प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिसमें विशेषज्ञ जसपाल सिंह ने स्कूल सिनेमा के संचालन एवं संवादात्मक शिक्षण की जानकारी दी। कार्यक्रम के तहत कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों को प्रेरणादायक फिल्मों के माध्यम से नैतिक शिक्षा दी जाएगी। साथ ही वर्कबुक के जरिए ईमानदारी, अनुशासन, स्वच्छता, करुणा, सहयोग और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे गुणों के विकास पर जोर दिया जाएगा। विद्यालय प्रबंधन का मानना है कि यह पहल विद्यार्थियों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

कई स्थानों पर स्टॉक खत्म होने की स्थिति में किसान आंदोलित

डीजल संकट पर बिफरे किसानों ने किया चक्काजाम, उत्पादन में बट्टे की आशंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

मानसून की दस्तक के साथ जहां जिले भर के किसान खरीफ सीजन की तैयारियों में जुटे हुए हैं, वहीं डीजल संकट ने उनकी चिंता बढ़ा दी है। खेती के सबसे महत्वपूर्ण समय पर पेट्रोल पंपों में डीजल की कमी और कई स्थानों पर स्टॉक खत्म होने की स्थिति ने किसानों को आंदोलन के लिए मजबूर कर दिया। पर्याप्त डीजल नहीं मिलने से नाराज किसानों ने सोमवार को शहर के व्यस्त ज्ञानी चौक में चक्काजाम कर प्रशासन और सरकार के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया।

- डीजल दो, खेती बचाओ के नारों की ज्ञानी चौक पर गूंज

जानकारी के अनुसार जिले में खेती की तैयारियां अपने चरम पर हैं। खेतों की जुताई, बुवाई और अन्य कृषि कार्यों के लिए ट्रैक्टरों का उपयोग किया जा रहा है, जिनके संचालन के लिए बड़ी मात्रा में डीजल की आवश्यकता होती है, लेकिन हाल के दिनों में डीजल आपूर्ति प्रभावित होने से किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। डीजल की उपलब्धता को लेकर फैली खबर के बाद किसान ट्रैक्टर और डीजल केन लेकर शहर के विभिन्न पेट्रोल पंपों में पहुंचने लगे। देखते ही देखते अधिकांश पंपों पर लंबी ▶▶| शेष पेज 10 पर

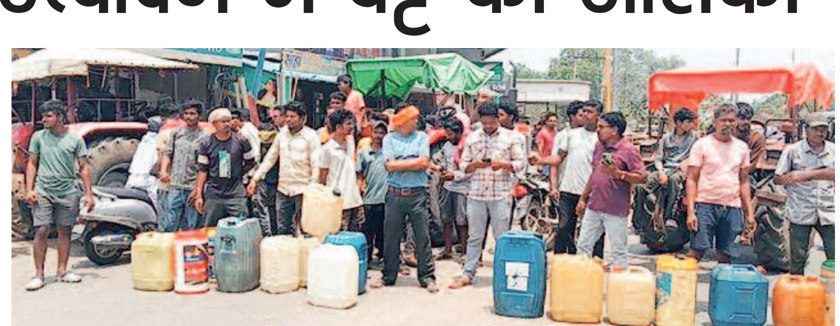

भारी वाहनों को प्रतिदिन 200 लीटर अन्य वाहनों को 20

उल्लेखनीय है कि डीजल की सीमित उपलब्धता को देखते हुए प्रशासन द्वारा भारी वाहनों को प्रतिदिन 200 लीटर तथा अन्य वाहनों को 20 लीटर तक डीजल देने की व्यवस्था लागू की गई है। हालांकि किसानों का कहना है कि यह मात्रा कृषि कार्यों के लिए पर्याप्त नहीं है। इधर चक्काजाम की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा किसानों से चर्चा कर स्थिति को सामान्य बनाने का प्रयास किया। देर शाम तक किसानों और प्रशासन के बीच बातचीत का दौर जारी रहा।

टूरा भोको लोलो' फेम चेतन ने रायपुर में ली अंतिम सांस

छत्तीसगढ़ी रैप के जनक एप्पी राजा का निधन

रायपुर/भानुप्रतापपुर। छत्तीसगढ़ी संगीत जगत के लिए एक बेहद दुखद और स्तब्ध करने वाली खबर सामने आई है। छत्तीसगढ़ी रैप को देश-दुनिया में एक नई और अनूठी पहचान दिलाने वाले लोकप्रिय रैपर और सिंगर 'एप्पी राजा' उर्फ चेतन चांडक (32 वर्ष) का सोमवार को निधन हो गया। वे लंबे समय से गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे। रायपुर के अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। उनके असामयिक निधन की खबर फैलते ही प्रदेश के संगीत जगत, कलाकारों और उनके लाखों प्रशंसकों में शोक की लहर दौड़ गई है।

पारिवारिक सूत्रों और दोस्तों से मिली जानकारी के अनुसार, करीब 6 महीने पहले एप्पी राजा की तबीयत अचानक बिगड़ी थी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। एक ऑपरेशन के बाद उनके शरीर में गंभीर रूप से खून की कमी हो गई थी। लगातार हीमोग्लोबिन गिरने के कारण उन्हें अत्यधिक कमजोरी, चक्कर आने और सांस लेने में तकलीफ की शिकायत थी। डॉक्टरों की विशेष निगरानी में उनका इलाज चल रहा था और उन्हें नियमित रूप से रक्त भी चढ़ाया जा रहा था, लेकिन तमाम कोशिशों के बाद भी उन्हें बचाया नहीं जा सका।

'टूरा भोको लोलो' से रातों-रात बने सोशल मीडिया स्टार : तमाम मुश्किलों से गुजरते हुए एप्पी राजा ने कुछ साल पहले अपना सबसे चर्चित रैप सॉन्ग 'टूरा भोको लोलो' लिखा था। तब उनके पास इसे रिकॉर्ड करने के लिए पैसे और साधन नहीं थे। साल 2015 में लुधियाना पंजाब की एक बड़ी म्यूजिक कंपनी ने उनका टैलेंट पहचान कर उन्हें रिकॉर्डिंग का मौका दिया। पंजाब से रिलीज होते ही इस गाने ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया।

बस्तर के छोटे से कस्बे से तय किया वैश्विक सफर

मूल रूप से बस्तर संभाग के कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर के रहने वाले एप्पी राजा का असली नाम चेतन चांडक था। नक्सल प्रभावित क्षेत्र के एक छोटे से कस्बे से निकलकर उन्होंने अपने दम पर छत्तीसगढ़ी रैप की नींव रखी। महज 13-14 साल की उम्र से ही रैप गीत लिखने वाले चेतन का जीवन भारी आर्थिक संघर्षों से गुजरा। परिवार की खराब आर्थिक स्थिति के कारण उन्हें कुछ समय के लिए गुजरात के सूरत में जाकर मजदूरी व नौकरी भी करनी पड़ी, लेकिन संगीत के प्रति उनका जुनून उन्हें वापस छत्तीसगढ़ खींच लाया।

खबर संक्षेप

पेट्रोल- डीजल की किल्लत लग रही पंपों में लंबी कतार

केशकाल। क्षेत्र में पेट्रोल और डीजल की भारी किल्लत हो रही है। कच्चे तेल की आपूर्ति में वैश्विक अनिश्चितता के कारण नगर के कई पेट्रोल पंपों पर ईंधन की कमी से आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिससे वाहन चालकों को परेशानी हो रही है। नगर के कई पम्पों पर पेट्रोल खत्म होने के बाद बड़ी संख्या में दोपहिया और चारपहिया वाहन चालक पहुंचे। पेट्रोल मिलने की उम्मीद में वाहनों की लंबी कतारें सड़क तक लग गईं, लेकिन घंटों इंतजार के बावजूद ईंधन उपलब्ध न होने पर उन्हें निराश लौटना पड़ा। स्थानीय नागरिकों के अनुसार, केशकाल में पिछले कुछ दिनों से पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति अनियमित बनी हुई है। कई पंपों पर सीमित मात्रा में ईंधन उपलब्ध होने से उपभोक्ताओं में चिंता बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि इसका असर आवश्यक सेवाओं, व्यापारिक गतिविधियों और रोजमर्रा की आवाजाही पर पड़ रहा है।

पटवारी की नौकरी दिलाने के नाम पर 6.50 लाख की ठगी

कोण्डागांव। पुलिस ने पटवारी की नौकरी दिलाने का झांसा देकर 6 लाख 50 हजार रुपये की कथित ठगी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, ग्राम गिरोला निवासी एक युवक ने शिकायत दर्ज कराई थी कि वर्ष 2017 में पटवारी भर्ती के दौरान ग्राम बफना निवासी रितेश पटेल ने नौकरी लगवाने का भरोसा दिलाकर उससे 6.50 लाख रुपये ले लिए, लेकिन न तो नौकरी दिलाई और न ही रकम लौटाई। शिकायत के बाद थाना कोंडागांव में मामला दर्ज कर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी ठगी, बलवा और अन्य मामलों में कार्रवाई हो चुकी है। मामले की आगे की जांच जारी है।

जिला स्तरीय रोजगार मेला लगाया जाएगा 19 जून को

कोण्डागांव। जिले के शिक्षित बेरोजगार युवक–युवतियों को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र द्वारा 19 जून 2026 को जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेला 19 जून को कलेक्टोरेट परिसर कोण्डागांव में प्रातः 11 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक आयोजित किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित समय पर उपस्थित होकर रोजगार के अवसरों का लाभ ले सकेंगे। रोजगार मेले के माध्यम से निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों में कुल 24 रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। इनमें सेल्स एग्जीक्यूटिव, फील्ड स्टाफ, सेल्स गर्ल्स, सेल्स बॉय एवं हेल्पर के पद शामिल हैं। मेले में दंतेश्वरी मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड एवं सुमित बाजार कोण्डागांव के प्रतिनिधि भाग लेकर अभ्यर्थियों का चयन करेंगे। चयनित उम्मीदवारों को कोण्डागांव में ही रोजगार का अवसर मिलेगा। विभिन्न पदों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 8वीं पास से लेकर स्नातक तक निर्धारित की गई है। अभ्यर्थियों की आयु 18 से 35 वर्ष के बीच होनी चाहिए। अनुभवी एवं फ्रेशर दोनों प्रकार के उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र ने अभ्यर्थियों से शैक्षणिक प्रमाण पत्र, रोजगार पंजीयन प्रमाण पत्र, निवास एवं जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों की छायाप्रति साथ लाने की अपील की है।

शिक्षा बदल रही महिलाओं की तकदीर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे कदम

हरिभूमि न्यूज ⏭ चारामा

शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा ब्लॉक चारामा क्षेत्र में लगातार सराहनीय कार्य किया जा रहा है। संस्था के माध्यम से हर वर्ष 150 से 200 ऐसी लड़कियों एवं महिलाओं को शिक्षा से जोड़ा जाता है, जिन्होंने किसी कारणवश अपनी पढ़ाई बीच में छोड़ दी थी। उन्हें 10वीं कक्षा की तैयारी कराकर ओपन बोर्ड परीक्षा में शामिल कराया जाता है।

वर्ष 2025-26 में ब्लॉक चारामा से 169 शिक्षार्थियों ने 10वीं की परीक्षा दी, जिनमें लगभग 75 प्रतिशत महिलाएं सफल रहीं। शिक्षा प्राप्त करने के बाद कई महिलाएं स्वरोजगार एवं रोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। वर्तमान में अनेक महिलाएं बीमा सखी, ब्यूटी पार्लर, कृषि सेवा केंद्र, किराना दुकान और सिलाई जैसे कार्यों से जुड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बन रही हैं तथा अपने परिवार की आय में योगदान दे रही हैं। संस्था द्वारा ग्रामीण युवाओं को विभिन्न स्किलिंग कोर्सों की जानकारी देकर रोजगार से जोड़ने का प्रयास भी किया जा रहा है। सत्र 2026-27 में हाराडुला, जेपरा, किलेपार, पंडरीपानी, भिलाई, मायाना, लीलेझर, भोथा, जवरतरा और टहकापार सहित विभिन्न गांवों में शिक्षा केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। इस वर्ष लगभग 250 महिलाओं को शिक्षा से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन शिक्षा के साथ-साथ महिलाओं को जैविक खेती, सब्जी उत्पादन, मशरूम उत्पादन एवं अन्य कृषि आधारित आजीविका गतिविधियों का प्रशिक्षण भी दे रहा है। संस्था का मानना है कि नारी शिक्षा समाज और देश के विकास की आधारशिला है तथा इसी उद्देश्य के साथ महिलाओं को शिक्षा, कौशल और रोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान दिया जा रहा है।

महिलाओं की सामाजिक स्थिति और निर्णय प्रक्रिया पर अध्ययन सम्पन्न

कांकेर। महिलाओं की सामाजिक भागीदारी, निर्णय प्रक्रिया में उनकी भूमिका तथा उनके साथ होने वाले भेदभाव की स्थिति को समझने के उद्देश्य से जिले के 7 ब्लॉकों के 7 चयनित गांवों में सर्वेक्षण एवं अध्ययन कार्य सम्पन्न किया गया। यह अध्ययन 5 जून से 11 जून तक राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत चैतन्य संस्था के मार्गदर्शन में महाराष्ट्र से आई चैतन्य संस्था की टीम द्वारा किया गया। अध्ययन का उद्देश्य महिलाओं की सामाजिक स्थिति, परिवार एवं समुदाय में उनकी निर्णय लेने की भूमिका, सार्वजनिक जीवन में उनकी भागीदारी तथा उनके साथ होने वाले विभिन्न प्रकार के भेदभाव की वर्तमान स्थिति का आकलन करना था। सर्वेक्षण के दौरान चयनित गांवों में कुल 36 महिलाओं एवं 12 पुरुषों से विस्तृत चर्चा और साक्षात्कार किए गए। इस प्रकार अध्ययन में कुल 48 प्रतिभागियों की सहभागिता रही। स्व-सहायता समूहों की महिलाओं तथा पुरुष प्रतिभागियों से दैनिक जीवन, पारिवारिक निर्णयों में सहभागिता, सामाजिक गतिविधियों में भागीदारी, संसाधनों तक पहुंच, लैंगिक समानता, हिंसा एवं भेदभाव से जुड़े अनुभवों सहित विभिन्न विषयों पर जानकारी एकत्रित की गई। अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष महिलाओं के सशक्तिकरण, जेंडर समानता और समुदाय आधारित हस्तक्षेपों को अधिक प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण आधार प्रदान करेंगे। साथ ही, यह अध्ययन महिलाओं की वास्तविक स्थिति को समझने और उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाओं एवं कार्यक्रमों के निर्माण में भी सहायक सिद्ध होगा। बिहान से जुड़े विभिन्न स्तरों के प्रतिनिधियों और समुदाय का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इसमें पीआरपी, जीएमटी, बीपीएम, एरिया कॉर्डिनेटर, स्व-सहायता समूहों की महिलाएं, जीएमटी सदस्य तथा सरपंचों की सक्रिय सहभागिता रही।

एनसीईआरटी प्रकाशित करेगी हल्बी-हिंदी शब्दावली, ध्वनि अभिलेखन पूर्ण

दुर्गुकोंदल। लुप्तप्राय भाषाओं के संरक्षण, संवर्धन एवं संचयन की दिशा में बस्तर अंचल के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सामने आई है। भारतीय भाषा संस्थान, शिक्षा मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग, भारत सरकार द्वारा संचालित परियोजना के अंतर्गत हल्बी-हिंदी सचित्र शब्दावली निर्माण एवं ध्वनि अभिलेखन का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। यह महत्वपूर्ण कार्य पूर्वी क्षेत्रीय भाषा केंद्र, भुवनेश्वर (ओडिशा) में संपन्न हुआ।

इस परियोजना में क्षेत्र के दो शिक्षकों ने उल्लेखनीय योगदान दिया है। शाउमावि माटोली के व्याख्याता डॉ. कृष्णपाल राणा तथा शासकीय प्राथमिक शाला छोटेपारा, घोड़ागांव के सहायक शिक्षक सिवन बघेल ने सक्रिय सहभागिता निभाते हुए हल्बी भाषा के संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण कार्य किया। भारतीय भाषा संस्थान के विशेषज्ञ सुजय सरकार, एम नागराजू, डॉ. सुदिप्ता भट्टाचार्य एवं देबिका डी संगमा के मार्गदर्शन में लगभग 1300 हल्बी शब्दों की सचित्र शब्दावली तैयार की गई है। परियोजना की विशेष उपलब्धि यह रही कि केवल शब्दों का संकलन ही नहीं किया गया, बल्कि प्रत्येक शब्द का शुद्ध उच्चारण सुरक्षित रखने के उद्देश्य से ध्वनि अभिलेखन भी किया गया। इससे हल्बी भाषा की मूल ध्वनियों, उच्चारण शैली और भाषाई विशेषताओं को संरक्षित किया जा सकेगा। तैयार की गई सचित्र शब्दावली एवं ऑडियो सामग्री को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय तथा भारतीय भाषा संस्थान के डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराया जाएगा। इससे शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों, भाषा प्रेमियों और आम नागरिकों को हल्बी भाषा को समझने, सीखने और उसके अध्ययन में विशेष सहायता मिलेगी। भविष्य में इन संसाधनों का ऑनलाइन उपयोग भी किया जा सकेगा।

■ भाषाई विरासत को मिलेगा नया संबल

गौवंश संरक्षण के लिए बनी रणनीति अवैध परिवहन रोकने का संकल्प

दुर्गुकोंदल। गौ माता की सुरक्षा, संरक्षण एवं गौवंश के अवैध परिवहन पर प्रभावी रोक लगाने के उद्देश्य से रविवार 14 जून को लयोर महादेव मंदिर प्रांगण, झिटकाटोला (हाटकोंदल) में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र में गौवंश संरक्षण को लेकर विस्तृत चर्चा करते हुए आगामी कार्ययोजना और रणनीति तैयार की गई।

बैठक में जनप्रतिनिधियों एवं समाज के प्रबुद्ध नागरिकों ने गौवंश की सुरक्षा को समाज का सामूहिक दायित्व बताते हुए अवैध परिवहन और गौ तस्करी जैसी गतिविधियों पर सतर्क निगरानी रखने का संकल्प लिया। साथ ही ग्रामीणों से गौ रक्षा के प्रति जागरूक रहने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल प्रशासन को देने की अव्हान की गई। इस दौरान चौकी प्रभारी तुलसी राम कोर्राम ने कानून व्यवस्था एवं प्रशासनिक सहयोग का भरोसा दिलाते हुए कहा कि गौवंश से जुड़े किसी भी अवैध कार्य को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में संलिप्त पाए जाने वाले लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने गौ माता की रक्षा, संरक्षण एवं समाज में जागरूकता फैलाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर उपसरपंच संतलाल चुरेंद्र, यशवंत तिवारी, ललित हिड़को, गैंदसिंह, जगदीश जैन, मानसिंह कोसमा, राकेश जैन, देबी जैन, पुनित कोला, अकबर जैन, मानसिंह कोर्राम सहित समाज एवं सेवा समिति के अनेक सदस्य उपस्थित रहें।

नगर आगमन पर इंस्पेक्टर लक्ष्मण एवं रामेश्वर का किया ऐतिहासिक स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ भानुप्रतापपुर

शौर्य चक्र से सम्मानित इंस्पेक्टर लक्ष्मण केवट एवं इंस्पेक्टर रामेश्वर देशमुख के भानुप्रतापपुर आगमन पर नगर में उत्साह और गौरव का माहौल देखने को मिला। दोनों वीर अधिकारियों का स्वागत समस्त नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, व्यापारी संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों तथा पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा ढोल-नगाड़ों, आतिशबाजी और पुष्पवर्षा के साथ भव्य रूप से किया गया।

राष्ट्रपति के हाथों शौर्य चक्र प्राप्त करने के बाद पहली बार नगर पहुंचे दोनों अधिकारियों के स्वागत के लिए बड़ी संख्या में लोग महाराणा प्रताप चौक पर एकत्रित हुए। जैसे ही उनका काफिला नगर पहुंचा, लोगों ने फूल-मालाओं से उनका अभिनंदन किया। ढोल-नगाड़ों की गूंज और भारत माता की जय के नारों के बीच स्वागत यात्रा निकाली गई, जिसमें नागरिकों का उत्साह देखते ही बन रहा था। महाराणा प्रताप चौक से थाना परिसर तक निकली स्वागत यात्रा के दौरान जगह-जगह पुष्पवर्षा कर दोनों वीर अधिकारियों का अभिनंदन किया गया। पूरे नगर में देशभक्ति और सम्मान का माहौल बना रहा। स्वागत समारोह में जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों, सामाजिक संगठनों एवं पुलिस विभाग के कर्मचारियों ने दोनों अधिकारियों के साहस, वीरता और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की। इस अवसर पर एसडीओपी शेर बहादुर सिंह ने कहा कि शौर्य चक्र प्राप्त करना पूरे पुलिस विभाग और क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। दोनों अधिकारियों ने अपने साहस और समर्पण से यह सम्मान अर्जित किया है।

एएसपी आकाश श्रीमाल ने कहा कि शौर्य चक्र देश के सर्वोच्च वीरता सम्मानों में से एक है। इंस्पेक्टर लक्ष्मण केवट एवं रामेश्वर देशमुख ने अपने अदम्य साहस और उत्कृष्ट सेवा से यह गौरव प्राप्त किया है। यह सम्मान पूरे पुलिस विभाग के लिए प्रेरणा का स्रोत है। नगर पंचायत अध्यक्ष निखिल राठौर ने कहा कि भानुप्रतापपुर के लिए यह अत्यंत गौरवपूर्ण क्षण है। दोनों अधिकारियों ने अपने कार्यों से क्षेत्र का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। वहीं भाजपा जिला महामंत्री राजा पाण्डेय ने कहा कि शौर्य चक्र असाधारण साहस, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा का प्रतीक है। दोनों अधिकारियों ने अपने पराक्रम से पूरे जिले और प्रदेश को गौरवान्वित किया है। स्वागत समारोह में बड़ी संख्या में नागरिक, जनप्रतिनिधि, व्यापारी संघ के पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

गंगरेल में राष्ट्रीय साइकिल रेस का रोमांच खिलाड़ियों ने दिखाई रफ्तार और दमखम

हरिभूमि न्यूज ⏭ धमतरी

गंगरेल बांध रविवार को राष्ट्रीय स्तर की साइकिल रेस प्रतियोगिता का गवाह बना, जहां अलग-अलग राज्यों से पहुंचे खिलाड़ियों ने अपनी गति, संतुलन और फिटनेस का शानदार प्रदर्शन किया। जय माँ कामाख्या जनकल्याण सेवा समिति धमतरी द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में महाराष्ट्र, हरियाणा, छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को खेल और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना रहा। गंगरेल से शुरू हुई यह रोमांचक रेस कोटाभर्री, मुड़पार, बरारी और रुद्री होते हुए पुनः गंगरेल पहुंचकर समाप्त हुई। बड़े प्रतिभागियों के लिए 12 किलोमीटर और बच्चों के लिए 2 किलोमीटर की दूरी निर्धारित की गई थी। पूरे मार्ग में खिलाड़ियों का उत्साह देखने लायक रहा। प्रतियोगिता के दौरान दर्शकों ने भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

विजेता हुए सम्मानित

प्रतियोगिता के समापन अवसर पर पूर्व विधायक इंदर चोपड़ा, हेमलता शर्मा, उदयभान सिंह चौहान और जागेंद्र साहू सहित कई अतिथि मौजूद रहे। विजेताओं को नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के संचालन में राकेश साहू, चंद्रशेखर बांदे, पीतांबर सिंह और संजय पवार की अहम भूमिका रही।

बच्चों और महिला प्रतिभागियों ने भी दिखाया अपना दम

महिला वर्ग में भी मुकाबला काफी रोचक रहा। गियर साइकिल श्रेणी में महाराष्ट्र की जीनत ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि हरियाणा की हरविंदर दूसरे स्थान पर रहीं। नॉन गियर वर्ग में रायपुर की गोमती साहू विजेता बनीं। बालोद की किरण साहू दूसरे और धमतरी की नम्रता नेताम तीसरे स्थान पर रहीं। बालक वर्ग में भी प्रतिभागियों ने शानदार प्रदर्शन किया। 10 से 15 वर्ष श्रेणी में वेदप्रकाश, डिगेश नेताम, वासु साहू, हेमंत साहू, तनिष्का खंडेलवाल और वनिका कावड़े विजेता रहे। वहीं 5 से 10 वर्ष वर्ग में सोनम नेताम, गणिका तारक, खिलेंद्र सिन्हा, युवराज, लक्ष्य, रोहन विश्वकर्मा और काव्यांश ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सबका ध्यान आकर्षित किया।

वन विभाग का बड़ा एक्शन, डेढ़ लाख की सागौन लकड़ी, ट्रैक्टर समेत जब्त

परवांजूर। वन विभाग ने अवैध लकड़ी परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए सागौन की बहुमूल्य लकड़ी एवं परिवहन में प्रयुक्त ट्रैक्टर को जप्त किया है। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में वन अमले ने मौके पर पहुंचकर लगभग डेढ़ लाख रुपए मूल्य की सागौन लकड़ी और एक मैसी ट्रैक्टर 1035 डीआई को अपने कब्जे में लिया। इस कार्रवाई से अवैध लकड़ी तस्करों में हड़कंप मच गया है।

जानकारी के अनुसार वन विभाग को सूचना मिली थी कि कुछ लोग ट्रैक्टर में सागौन लकड़ी लादकर अवैध रूप से परिवहन कर रहे हैं। सूचना मिलते ही वन परिक्षेत्र अधिकारी कापसी डीडी तारम के नेतृत्व में वन अमला सक्रिय हुआ और बताए गए स्थान पर घेराबंदी कर कार्रवाई की। जांच के दौरान ट्रैक्टर में लदे दो नग सागौन लट्ठे बरामद किए गए। वन विभाग के अनुसार जप्त सागौन लकड़ी का कुल आयतन 0.857 घन मीटर है, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत करीब 1.50 लाख रुपए आंकी गई है। लकड़ी के साथ परिवहन में प्रयुक्त मैसी ट्रैक्टर 1035 डीआई पीवी 25 नंबर को भी जप्त कर विभागीय अभिरक्षा में रखा गया है। मामले में वन अधिनियम के तहत आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में अवैध कटाई एवं लकड़ी परिवहन के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। वन संपदा की सुरक्षा के लिए विभाग पूरी तरह सतर्क है और भविष्य में भी इस प्रकार की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। विभाग ने लोगों से भी अपील की है कि वन अपराध की जानकारी मिलने पर तत्काल सूचना दें, ताकि वन संपदा की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इस सफल कार्रवाई में सहायक परिक्षेत्र अधिकारी एलआर भगत सहित वन विभाग के कर्मचारी धर्मेंद्र निषाद, विनय विनोद हिंडको, पुष्पेंद्र यादव, तपन माली एवं चंद्रकांत कश्यप की महत्वपूर्ण भूमिका रही। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अवैध परिवहन को विफल किया और बहुमूल्य वन संपदा को सुरक्षित किया।

सफलता की कहानी: आधुनिक खेती अपनाकर बढ़ाई आय

स्वीट कॉर्न और नैनो उर्वरक से बदली किसान रामचंद्र की तकदीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

बड़ेराजपुर विकासखंड के ग्राम मारंगपुरी निवासी किसान रामचंद्र साहू ने आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर खेती को लाभकारी व्यवसाय में बदल दिया है। स्वीट कॉर्न की खेती और नैनो उर्वरकों के उपयोग से उन्होंने आर्थिक समृद्धि की नई मिसाल पेश की है। रामचंद्र साहू पिछले तीन वर्षोर् से स्वीट कॉर्न का उत्पादन कर रहे हैं। इस वर्ष उन्होंने लगभग ढाई एकड़ भूमि में अशोका किस्म के स्वीट कॉर्न की खेती की है, जिससे उन्हें बेहतर उत्पादन और अच्छी आय प्राप्त हो रही है। सामान्य मक्का की तुलना में स्वीट कॉर्न की बाजार में अधिक मांग है।

नैनो उर्वरक से बढ़ी उत्पादन क्षमता

रामचंद्र साहू फसल की गुणवत्ता और उत्पादन बढ़ाने के लिए नैनो यूरिया का उपयोग कर रहे हैं। उनके अनुसार इससे पौधों की वृद्धि बेहतर हुई है और उत्पादन में उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखने को मिली है। कृषि विभाग की योजनाओं के तहत उन्हें शैलो ट्यूबवेल और स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली का लाभ मिला है। इससे कम पानी में अधिक क्षेत्र की सिंचाई संभव हुई है और खेती की लागत में भी कमी आई है।

तैयार भुट्टों की बिक्री लगभग 7 रुपये प्रति नग की दर से होती है, जिससे एक सीजन में करीब दो लाख रुपये तक की आय प्राप्त हो रही है।

आधुनिक खेती की ओर बढ़ रहे किसान

कोण्डागांव जिले के किसान अब पारंपरिक खेती के साथ–साथ स्वीट कॉर्न, सब्जी उत्पादन और अन्य नगदी फसलों की खेती की ओर भी अग्रसर हो रहे हैं। उन्नत बीज, नैनो उर्वरक और आधुनिक सिंचाई तकनीकों के उपयोग से खेती अधिक लाभकारी और टिकाऊ बन रही है। रामचंद्र साहू की सफलता यह साबित करती है कि आधुनिक तकनीकों और नवाचारों को अपनाकर किसान कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर अपनी आय बढ़ा सकते हैं तथा आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

पेज 9 के शेष

डीजल संकट पर ...

कतारें लग गईं और कुछ ही समय में डीजल का स्टॉक समाप्त हो गया। डीजल खत्म होने की सूचना मिलते ही किसानों का आक्रोश फूट पड़ा। सैकड़ों किसानों ने ज्ञानी चौक पहुंचकर सड़क पर प्रदर्शन शुरू कर दिया और चक्काजाम कर दिया। किसानों का कहना है कि यह समय खेतों की जुताई का है और ऐसे समय में डीजल की कमी उनके लिए किसी बड़े संकट से कम नहीं है। किसानों के अनुसार एक एकड़ भूमि की जुताई में लगभग 25 लीटर डीजल की आवश्यकता होती है, जबकि पिछले कुछ दिनों से उन्हें मात्र 20 लीटर डीजल प्रतिदिन दिया जा रहा था। अब स्थिति यह है कि कई पंपों में डीजल पूरी तरह समाप्त हो चुका है। किसानों ने स्पष्ट कहा है कि जब तक उन्हें खेती के लिए पर्याप्त डीजल उपलब्ध कराने का आश्वासन नहीं दिया जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।यह समाचार अखबार की स्थानीय रिपोर्टिंग शैली में तैयार किया गया है, जिसमें आकर्षक शीर्षक, अलग इंट्रो और किसानों की समस्या को प्रमुखता दी गई है। **डीजल उपलब्ध नहीं, धान उत्पादन पर पड़ेगा असर :** प्रदर्शन कर रहे किसानों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही पर्याप्त मात्रा में डीजल उपलब्ध नहीं कराया गया तो खेती का कार्य प्रभावित होगा और इसका सीधा असर धान उत्पादन पर पड़ेगा। उन्होंने आशंका जताई कि यदि समय पर जुताई और बुवाई नहीं हो पाई तो आने वाले समय में खाद्यान्न उत्पादन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

स्वनिधि लोन महोत्सव ...

हॉल में आज 16 जून को लोक कल्याण मेला शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार 19 जून को नगर पालिका परिषद सभाकक्ष में तथा 23 जून को पुराना कम्युनिटी हॉल कांकेर में प्रातः 10.30 बजे से दोपहर 02 बजे तक किया जाएगा तथा 24 जून को नगर पालिका परिषद सभाकक्ष में प्रातः 11 बजे से दोपहर 02 बजे तक पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह आयोजित किए जाएंगे।

नक्सलवाद के खात्मे से कईयों के पेट में दर्द

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सुकमा

सुकमा शहर के विवेकानंद सभागार में आयोजित जिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के द्वारा पूछे गए सवाल जवाब कार्यक्रम में बस्तर सांसद महेश कश्यप ने कहा कि समझ नहीं आता कि नक्सलवाद के खात्मे से कईयों के पेट में दर्द क्यों हो रहा है। नक्सलवाद के दौरान गोली चलाने वाले भी हमारें भाई थे और मरने वाले भी हमारे भाई था। श्री कश्यप ने कहा जब विकास की बात होती है तो लोग धमकी देते है और फिर अंदर ही अंदर समझौता हो जाता है जो अब नहीं चलेगा। सवाल के जवाब में सांसद ने कहा कि कांग्रेस के समय बस्तर को कालापानी की सजा समझा जाता था।

डॉ. रमनसिंह के समय विकास की गंगा बही लेकिन विकास को लेकर हमने कभी भाजपा कांग्रेस नही किया। जो वादा 31 मार्च का था उसे हमारी सरकार ने समय सीमा में पूरा किया। आज हमारे ग्रामीण शुद्ध पेयजल के अभाव में मारे जा रहे हैं ऐसे में जल, जंगल, जमीन किस काम का है। बस्तर में कुछ ऐसे लोग भी है जो हिड़मा को हीरो बताते हुए रील बना रहे हैं। उन्होंने सवालों

- **हरिभूमि और आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी का संवाद**

के लवाब में बताया कि सरकार के रोडमैप में सुकमा तक रेल लाइन लाने हेतु प्रयास किया जा रहा है।

प्रधान संपादक के सवाल के जवाब में बस्तर राज मोर्चा के मनीष कुंजाम ने कहा कि इस सरकार में नक्सल मुक्त के अलावा कुछ नही बदला है। बस्तर राज मोर्चो कोई राजनैतिक दल नहीं है इसका मुख्य उददेश्य जल, जंगल, जमीन को लेकर आदिवासियों के हित में संघर्ष करना है। नक्लमुक्त के बारे में कुंजाम ने कहा कि जिसको श्रेय लेना है वो ले लेकिन बस्तर में तटस्थ लोगों में शंका है कि नक्सल मुक्त के बाद बस्तर का क्या होगा, क्या जंगल बचेंगे। लगातार हार पर कुंजाम ने कहा कि हमारा चुनाव बिन पैसे का होता है जबकि कांग्रेस भाजपा करोड़ों रुपए खर्च कर चुनाव जीतती है।

प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के द्वारा पूछे गए सवाल पर कलेक्टर अमित कुमार ने कहा कि सुकमा जिले में पोस्टिंग होना एक मोटिवेशनल के रूप में है।

नक्सल मुक्त के बाद यहां सबसे बड़ा चैलेंज बैसिक सुविधा पानी, सड़क और बिजली है, इसे अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। कलेक्टर ने सवालों के जवाब में बताया कि लोग जागरूक हो रहे है और सरकार की ओर से भी बहुत सारी छूट दी गई है। साथ ही स्पेशल पैकेज भी दिए गए है। अधिकारियों व कर्मचारियों के दौरे को लेकर उन्होंने कहा कि अब सोच बदलने लगी है और निरंतर अंदरूनी क्षेत्रों में दौरे भी हो रहे है। पूछे गए सवाल पर कलेक्टर ने कहा कि जिले में स्वास्थ्य सुविधा की स्थिति ठीक है। शिक्षा के स्तर को बढ़ाने के लिए नये आईटीआई केन्द्र खोले जा रहे है एवं शिक्षित लोगों को शिक्षा से जोड़ने हेतु उल्लास कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षा दी जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रोहित शाह ने प्रधान संपादक के सवालों का बेबाकी से जवाब देते हुए कहा कि पिछले कुछ महीनों से खूंखार आतंकियों को सरेंडर कराया गया और नक्सल मुक्त सुकमा होने के बाद जिम्मेदारी और ज्यादा बढ़ गई है। जिले में लगभग 400 से ज्यादा गांव है जिनसे हम लगातार संपर्क स्थापित किए हुए है। सवाल के जवाब में शाह ने कहा कि अब लोगों का पुलिस के प्रति भरोसा बढ़ा है और थाने तक आने लगे है। नक्सल मुक्त को परिभाषित करते हुए सवाल पर उन्होंने कहा कि अब थाने के कर्मचारी 2 या 3 की संख्या में अंदरूनी ग्रामों तक जाने लगे है और रात्रि रूकते भी है। उन्होंने बताया कि जनता और पुलिस के बीच के भरोसे ने ही नक्सल मुक्त होने में सहायक रहा है।

प्रधान संपादक के सवाल पर वन मंडलाधिकारी अक्षय दिनकार भौसले ने कहा कि नक्सल मुक्त होने के बाद चुनौतिया बढ़ गई है और जंगल की बात करें तो 65 फीसदी जंगल इस जिले में है। उन्होंने कहा कि अब हमारा फोकस जिले के आदिवासी ग्रामीणों के आजिविका पर है। जिले में अब नक्सल मुक्त होने के बाद तस्करी रोकने की काफी कोशिशें हो रही है। पूर्व में भी जनप्रतिनिधियों का रहा है और आगे भी इन्ही के सहयोग से जंगलों की कटाई रोकी जाएगी। भौसले ने कहा वर्तमान में ईको टूरिज्म पर फोकस कर रहे है। जंगल होने के बाद भी वन्य जीवों को न दिखना गंभीर विषय है इस मंच से आम नागरिकों से इस हेतु सहयोग की अपील करते है। प्रधान संपादक के सवाल पर महिला आयोग की सदस्य सुश्री दीपिका शोरी ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि विश्वास नहीं हो रहा है कि वो सुकमा में है। 31 मार्च नक्सल मुक्त की घोषणा पहले विश्वसनीय लगती थी लेकिन आज वो क्षण एतिहासिक हो गया।

भाजपा सरकार के इस नक्सल मुक्त के बाद गोगुंडा जैसे क्षेत्र में विकास हो रहा है और आने वाले ढाई वर्षो में और विकास होगा। पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि कवासी लखमा मंत्री रहते एक भी उद्योग नहीं लगा पाए। विधानसभा में लगातार हमारी हार की समीक्षा कर रहे हैं कही ना कही से हमारी चूक इसके लिए जिम्मेदार है। प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के सवाल पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष हरीश कवासी ने कहा कि पूर्व के पांच साल बेहतर थे। इन ढाई वर्षों में सरकार पूरी तरह से विफल रही है। तेंदूपत्ता का नगदीकरण होना था जो नहीं हुआ। नक्सलवाद खत्म हुआ या नहीं ये तो आगे पता चलेगा। विधायक कवासी लखमा मलकानगिरी में रह कर लगातार क्षेत्र की सेवा कर रहे है। कवासी ने कहा कि इस सरकार में ज्यादा बोलने में ईडी का डर बताया जाता है।

कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री दुर्गेश राय ने सवालों के जवाब में कहा कि जिस तरह से डीजल-पेट्रोल की किल्लत छत्तीसगढ़ में है ऐसे में किसान भुगत जाएंगे। अगर ग्रामीण खेती किसानी नही करेंगे तो फिर से गलत दिशा में चले जाएंगे। जिले में स्वास्थ्य सुविधा शून्य है।

भाजपा नेता सोयम मुका ने कहा कि वर्तमान सरकार क्षेत्र में समग्र विकास की ओर अग्रसर है। कांग्रेस के द्वारा 3200 करोड़ का शराब घोटाला मट्ठा डालने जैसा है। भाजपा सरकार ने प्रधानमंत्री आवास जैसी सुविधा दी जो कि कांग्रेस सरकार ने रोक रखी थी। आज विष्णुदेव सरकार में जगरगुण्डा में एजुकेशन हब बन रहा है। भाजपा जिलाध्यक्ष बारसे धनीराम ने कहा कि हाल ही में तीन ग्राम पंचायत हमने जीती है जो कि अच्छे संकेत है। अब तक कांग्रेस फर्जी मतदान से चुनाव जीतते आ रही थी। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद कांग्रेस की देन थी जो भाजपा ने नक्सल मुक्त कर दिया। आज नये नये स्कूल भवन, सड़क बन रहे है। पूर्व में तो सांसद मंत्री को जानते तक नहीं थे अब सभी अंदरूनी ग्रामों में लोग जानने लग गये है।

नहीं दिखाओ रेल का सपना सड़क ही सुधार दीजिए

जिला संवाद कार्यक्रम में सुकमा नगर के प्रमुख व्यवसायी करण सिंह देव, सुरेन्द्र चांडक, अनिश बोथरा व अधिवक्ता कैलाश जैन ने तीखे सवालों को बेबाकी से जवाब दिया।

पेट्रोल पंप संचालक करण देव ने कहा इस सरकार में कार्य अच्छा तो हुआ है लेकिन असल विकास होना शेष है। आज अंदरूनी क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को अभाव है। सड़क की स्थिति जर्जर है। आवागमन होगा तो विकास होगा और ये सरकार की जिम्मेदारी।

अधिवक्ता कैलाश जैन ने कहा कि अभी बहुत कुछ होना बाकी है। सुकमा सहित छत्तीसगढ़ में अधिकारी बेलगाम हो गये है। भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। मुख्यमंत्री की घोषणा का पालन तक नही होता है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद को पूरी तरह समाप्त कहना गलत होगा। जर्जर सड़क को ही बना दीजिए यही हमारे लिऐ रेल मार्ग जैसी है।

सुकमा के राईस मिल संचालक सुरेन्द्र चांडक ने कहा कि जिले में सड़क, मेडिकल व मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। जगदलपुर से तोंगपाल की सड़क किसी से छिपी नही है। आज किसी अस्वस्थ व्यक्ति को ईलाज कराने ले जाना हो तो 300 किमी की दूरी तय करनी पड़ती है।

हार्डवेयर व्यवसायी अनिश बोथरा ने कहा कि व्यापारी कितना भी सही कार्य कर ले लेकिन अधिकारियों की नजरें हमेशा टेड़ी ही रहती है। सुकमा जिले में उद्योग लगना चाहिए ताकि शिक्षित बेराजगारों को रोजगार मिल सके। उन्होंने भी जर्जर सड़क मार्ग को व्यापार में बाधक बताया।

साप्ताहिक बाजार में खुले में मिला एक्सपायरी शासकीय दवाओं का ढेर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गीदम

गीदम के साप्ताहिक बाजार से सामने आई तस्वीरों ने स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बाजार परिसर के बीचों-बीच हजारों की संख्या में कथित रूप से एक्सपायरी शासकीय दवाइयों का ढेर खुले में पड़ा मिला है। सार्वजनिक स्थान पर इस तरह दवाओं का फेंका जाना जन-स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा बन सकता है। टेबलेट, कैप्सूल और सिरप की शीशियां बाजार के खुले मैदान में बिखरी पड़ी हैं। इनमें से अधिकांश पर शासकीय आपूर्ति के लेबल लगे हैं।

आशंका जताई जा रही है कि ये सभी दवाएं अपनी एक्सपायरी डेट पार कर चुकी हैं। विशेषज्ञों के अनुसार एक्सपायरी दवाओं की गुणवत्ता और प्रभावशीलता खत्म हो जाती है। अनजाने में सेवन करने पर ये गंभीर स्वास्थ्य संकट पैदा कर सकती हैं। स्वास्थ्य विभाग के नियमानुसार एक्सपायरी या अनुपयोगी दवाओं के निस्तारण की वैज्ञानिक और सुरक्षित प्रक्रिया निर्धारित है। ऐसी दवाओं को बायो-मेडिकल वेस्ट नियमों के तहत आम लोगों की पहुंच से दूर नष्ट किया जाना चाहिए। दवाओं को जलाने, गहरे गड्ढे में दबाने या अधिकृत एजेंसी के माध्यम से नष्ट करने का प्रावधान है। इसके बावजूद बाजार जैसी भीड़भाड़ वाली जगह पर दवाओं का ढेर मिलना विभागीय लापरवाही की ओर इशारा करता है। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने बताया कि बाजार में बड़ी संख्या में आसपास के गांवों से लोग आते हैं। कई ग्रामीण कम पढ़े-लिखे हैं। खुले में पड़ी दवाइयों को उपयोगी समझकर वे अपने साथ ले जा सकते हैं। सबसे ज्यादा खतरा बच्चों को है। खेल-खेल में अगर किसी बच्चे ने इन दवाओं का सेवन कर लिया तो स्थिति भयावह हो सकती है। लोगों ने स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि इतनी बड़ी मात्रा में शासकीय दवाएं साप्ताहिक बाजार स्थल तक पहुंची कैसे। क्या यह किसी कर्मचारी की लापरवाही है या जानबूझकर दवाओं को यहां फेंका गया। फिलहाल इसका जवाब किसी के पास नहीं है। इस घटना ने दवा भंडारण और निस्तारण की पूरी व्यवस्था पर ही प्रश्नचिन्ह लगा दिया है।

खंड चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी गीदम ने कहा कि विभाग के पुराने जर्जर भवन में कुछ एक्सपायरी दवाइयां रखी गई थीं। नियमानुसार उन्हें समुचित तरीके से नष्ट किया जाना था। इसी दौरान पुराने भवन को गिराने का ठेका दिया गया। ठेकेदार ने भवन गिराते समय मलबे के साथ ही दवाइयों को भी बाजार स्थल पर फेंक दिया। बीएमओ ने माना कि यह गंभीर चूक है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच के लिए कमेटी गठित की जा रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होगी। साथ ही तत्काल टीम भेजकर बाजार से दवाओं को हटवाकर सुरक्षित निस्तारण कराया जा रहा है।

जैविक खेती से समृद्ध होगा जिला, किसानों की आय के साथ पर्यावरण संरक्षण में निभाएगी भूमिका : केदार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दंतेवाड़ा

कृषि विज्ञान केंद्र एवं कृषि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में जिले में जैविक कृषि को बढ़ावा देने तथा किसानों को उन्नत जैविक तकनीकों से अवगत कराने के उद्देश्य से एक दिवसीय जैविक कृषि कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के बड़ी संख्या में कृषकों, ग्रामीण युवाओं, महिला स्व-सहायता समूहों एवं कृषि विभाग के अधिकारियों ने सहभागिता की।

- **जैविक कृषि से बढ़ेगी आय, दंतेवाड़ा बनेगा मॉडल जिला : अटामी**

जैविक कार्यशाला को संबोधित करते वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि दंतेवाड़ा जिला जैविक कृषि की अपार संभावनाओं वाला क्षेत्र है। यहां की जलवायु, प्राकृतिक संसाधन और किसानों की मेहनत जैविक खेती के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करते हैं। जैविक खेती केवल कृषि उत्पादन का माध्यम नहीं, बल्कि मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य से जुड़ा एक महत्वपूर्ण अभियान है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के किसान अपनी मेहनत, लगन और समर्पण के कारण देश में धान उत्पादन के क्षेत्र में विशेष पहचान रखते हैं। किसानों की अथक मेहनत से प्रदेश लगातार कृषि क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों से चर्चा के दौरान खेती-किसानी से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुए हैं, जो कृषि विकास की दिशा में उपयोगी साबित होंगे। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के बाद पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने जय जवान, जय किसान का नारा देकर किसानों और सैनिकों के योगदान को सम्मान दिया था। इसके बाद विज्ञान और तकनीक के महत्व को देखते हुए जय विज्ञान का नारा भी जोड़ा गया। आज आवश्यकता इस बात की है कि कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक और पारंपरिक ज्ञान का समन्वय कर टिकाऊ एवं लाभकारी खेती को बढ़ावा दिया जाए।

कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार किसानों की आय बढ़ाने, प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन देने और कृषि को लाभकारी बनाने के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कृषि क्षेत्र में नवाचार और आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा दे रहे हैं। वहीं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण और कृषि विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने दंतेवाड़ा जिले के उन किसानों को विशेष रूप से बधाई और सम्मान दिया जो रासायनिक खेती को छोड़कर जैविक एवं प्राकृतिक खेती की ओर अग्रसर हुए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे किसान न केवल अपनी भूमि की उर्वरता को सुरक्षित रख रहे हैं, बल्कि समाज को स्वस्थ और गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण कार्य भी कर रहे हैं।

उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अपने खेतों की मेड़ों पर अधिक से अधिक पौधारोपण करें, जिससे भूमि संरक्षण, जल संवर्धन और पर्यावरण संतुलन को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने कहा कि हमारी पारंपरिक कृषि पद्धतियां, संस्कृति और प्राकृतिक संसाधन हमारी अमूल्य धरोहर हैं।

मोदी के नेतृत्व में समृद्ध और सशक्त भारत का हो रहा निर्माण: सुधीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सुकमा

भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सुधीर पाण्डेय ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनादेश के साथ निर्वाचित होकर लगातार 12 वर्षों से प्रधानमंत्री के रूप में कार्य करते हुए एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। छत्तीसगढ़ की 3 करोड़ जनता की ओर से बधाई देते हुए कहा कि 12 वर्षों का यह कार्यकाल स्वर्णिम और ऐतिहासिक

- **12 वर्षों का यह कार्यकाल स्वर्णिम और ऐतिहासिक काल**

काल रहा है। प्रधानमंत्री खुद को प्रधानमंत्री नहीं, प्रधान सेवक कहते हैं। 140 करोड़ भारतवासियों को अपना परिवार मानते हैं। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' को मूलमंत्र मानते हुए दिन और रात 140 करोड़ भारतवासियों की सेवा करते हैं। सोमवार को मोदी सरकार के शानदार 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित मीडिया कॉन्क्लेव को सम्बोधित कर रहे थे।

पाण्डेय ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में नए भारत का निर्माण हो रहा है। एक समृद्ध और सशक्त भारत का निर्माण हो रहा है। एक ऐसा भारत जो किसी को छेड़ता नहीं है और छेड़ने वाले को छोड़ता भी नहीं है। दुश्मनों को घर में घुसकर मारता है। ऐसे नए भारत का निर्माण प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हुआ है। 12 वर्षों में प्रधानमंत्री ने देश के विकास के लिए अद्भुत काम किए हैं। अगर गरीब कल्याण की बात करें तो सरकार ने जन-धन योजना के तहत 58 करोड़ से ज्यादा बैंक खाते खोले, जिनमें 32 करोड़ से ज्यादा खाते सिर्फ महिलाओं के हैं। कोरोना जैसी महामारी के मुश्किल वक्त से लेकर अब तक 81 करोड़ से ज्यादा देशवासियों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है। इलाज के खर्च से गरीब को बचाने के लिए आयुष्मान भारत योजना में 60 करोड़ से ज्यादा हेल्थ कार्ड बने हैं, जिससे मुफ्त इलाज की गारंटी मिली है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना से भी 58 करोड़ से ज्यादा लोगों को एक मजबूत सुरक्षा कवच मिला है। उन्होंने कहा कि गरीबों के जीवन को आसान बनाने के लिए पीएम आवास योजना के तहत 4 करोड़ से ज्यादा परिवारों को पक्के मकान दिए गए हैं। उज्ज्वला योजना के जरिए 11 करोड़ महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन देकर धुएँ से आजादी दी गई है। गाँवों के विकास के लिए जल जीवन मिशन के तहत 16 करोड़ से ज्यादा घरों तक नल से साफ पानी पहुँचाया जा चुका है, वहीं स्वच्छ भारत मिशन के तहत 12 करोड़ से ज्यादा शौचालय बनाकर देश में स्वच्छता की एक नई क्रांति लाई गई है। रेहड़ी-पटरी वाले भाई-बहनों के लिए पीएम स्वनिधि योजना से 74 लाख से ज्यादा लोगों को बिना किसी परेशानी के लोन मिला है। मुद्रा योजना के तहत छोटे काम-धंधों के लिए बिना गारंटी 57 करोड़ से ज्यादा लोन बांटे गए हैं, वहीं छोटे कारीगरों को बढ़ावा देने के लिए पीएम विश्वकर्मा योजना से 30 लाख लोगों को फायदा पहुँचाया गया है। पाण्डेय ने कहा कि जनजातीय समाज के कल्याण के लिए 15 हजार करोड़ रुपए का बजट और धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के लिए 79 हजार करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।

अपनी मांगों को लेकर पेंशनर, नियमित अनियमित, संविदा कर्मचारी हो रहे लामबंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गीदम

विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान महंगाई भत्ता व 86 महीने का लंबित एरियर्स और अन्य मांगों को लेकर संभाग स्तरीय प्रदर्शन का किया जाएगा। इस आशय का निर्णय एक मांग एक मंच अभियान से जुड़े शासकीय विभिन्न कर्मचारी संगठनों और पेंशनर फोरम छग की संयुक्त बैठक में लिया गया। बैठक में बस्तर संभाग का प्रतिनिधित्व पेंशनर फोरम के प्रांतीय संयोजक चंद्रिका सिंह जगदलपुर, महेंद्र कुमार साहू दंतेवाड़ा, कोटेश्वर राव चापड़ी बीजापुर ने किया। इस अवसर पर चंद्रिका सिंह ने कहा के बिना आंदोलन के सरकार किसी भी मांग को पूरा नहीं करती वैसे भी एक वर्षों से केवल हम लोग मांग पत्र दे रहे हैं। उन्होंने विधानसभा सत्र के दौरान राज्य के पांचो संभाग में एक दिन प्रदर्शन करने का प्रस्ताव पर बैठक में उपस्थित लगभग 25 कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने सहमति दी।

मलेरिया मुक्त बस्तर के लिए घर-घर जाकर होगी जांच

जगदलपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बकावंड में सोमवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय बसाक और जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सीआर मैत्री द्वारा सेक्टर पर्यवेक्षकों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक ली गई। जिसमें 15 जून से 14 जुलाई तक मलेरिया मुक्त बस्तर अभियान मे घर-घर घूम कर आरडी कीट परिवार के प्रत्येक सदस्यों की जांच करने उपचार करने हेतु निर्देशित किया। राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस (पल्स पोलियो) 28 जून को पहले दिन बूथ में दूसरे एवं तीसरे दिवस घर-घर घूमकर शून्य से पांच वर्ष के बच्चों को पोलियो ड्राप पिलाने हेतु आदेशित किया। साथ ही 100 दिवसीय निक्षय निरामय के अन्तर्गत सभी हितग्राहियों की हेण्ड हेल्ड एक्स रे मशीन द्वारा जांच की आन लाइन इन्ट्री निक्षय पोर्टल ने करने हेतु निर्देशित किया। सेक्टर की जनसंख्या का एक प्रतिशत एचपीव्ही टीकाकरण कर 14 से 15 वर्ष की बालिकाओं को लाभान्वित करने हेतु आदेशित किया। इस अवसर पर बीपीएम संतोष सिंह, बीईटीओ पदमनीलाल, पर्यवेक्षक बकावंड दिनेश पराते, रोहित पांडे, रामनाथ कश्यप, केदार पाढ़ी, केके बघेल, अनिता मंडन, सौरभ गौड, नीलकुमारी श्रीवास्तव, दौलत कश्यप बैठक में उपस्थित हुए।

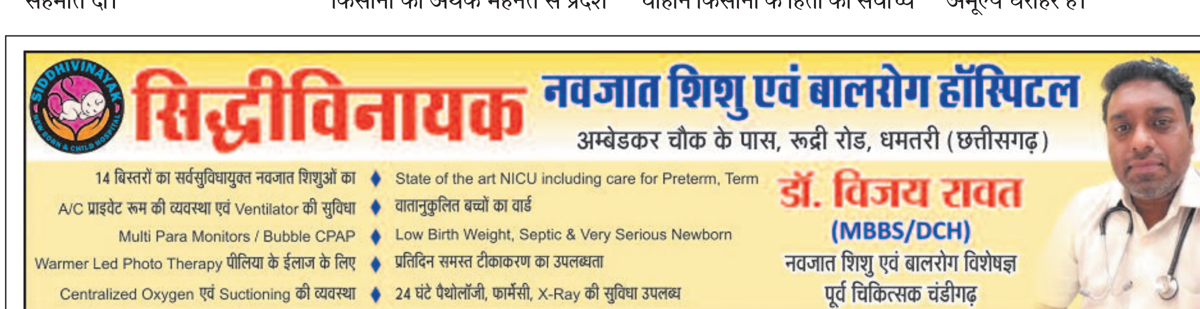

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

बारिश नहीं होने से परलकोट क्षेत्र के किसान चिंतित, धान की नर्सरी सूख रहीं

पखांजुर। परलकोट क्षेत्र में संभावित समय पर बारिश नहीं होने से किसानों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। खरीफ सीजन की शुरुआत के साथ ही किसानों ने धान रोपाई की तैयारी शुरू कर दी है और कई गांवों में धान की नर्सरी तैयार की जा रही है, लेकिन भीषण गर्मी और तेज धूप के कारण नर्सरी में तैयार हो रहे धान के पौधों का ऊपरी हिस्सा जलने लगा है। इससे किसानों के सामने बड़ी समस्या खड़ी हो गई है। क्षेत्र के किसानों का कहना है कि उन्होंने कर्ज लेकर खेती करने की तैयारी की है। अच्छी बारिश की उम्मीद में बीज, खाद और अन्य कृषि सामग्री खरीदी गई, लेकिन अब बारिश नहीं होने से खेत सूखे पड़े हैं। लगातार बढ़ते तापमान ने नर्सरी को भी प्रभावित करना शुरू कर दिया है। कई जगहों पर धान के छोटे पौधे पीले पड़ने लगे हैं और सूखने की स्थिति में पहुंच रहे हैं। किसानों को इस बार दोहरी मार झेलनी पड़ रही है। एक ओर मौसम का असंतुलन और भीषण गर्मी परेशानी बढ़ा रही है, वहीं दूसरी ओर खाद की पर्याप्त उपलब्धता नहीं होने से भी किसान परेशान हैं। किसानों का आरोप है कि कई समितियों में खाद सीमित मात्रा में मिल रही है, जिससे खेती की तैयारी प्रभावित हो रही है। ग्रामीण किसानों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि खाद की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और किसानों की समस्याओं को देखते हुए राहत प्रदान की जाए। किसानों का कहना है कि यदि जल्द बारिश नहीं हुई तो इस वर्ष खेती पर बड़ा असर पड़ सकता है।

20 वर्षों तक देश सेवा के बाद सेना से सेवानिवृत्त हुए लोकेश, हुआ स्वागत

दुधावा। भारतीय सेना में 20 वर्षों तक गौरवपूर्ण सेवा देने के बाद सेवानिवृत्त होकर अपने गृह ग्राम दुधावा लौटे लोकेश कुमार साहू का ग्रामीणों, परिजनों एवं शुभचिंतकों ने स्वागत किया। गांव पहुंचने पर उनका फूल-मालाओं, बैंड-बाजे और आतिशबाजी के साथ अभिनंदन किया गया। पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला और लोगों ने अपने वीर सपूत पर गर्व व्यक्त किया। लोकेश कुमार साहू ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा गांधी विद्या मंदिर दुधावा तथा उच्चतर माध्यमिक शिक्षा हायर सेकेंडरी स्कूल दुधावा से प्राप्त की। इसके बाद 19 सितंबर 2006 को भारतीय सेना में भर्ती होकर राष्ट्र सेवा का संकल्प लिया। अपनी 20 वर्षों की सैन्य सेवा के दौरान उन्होंने भोपाल में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद पंजाब, लद्दाख, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, अमृतसर तथा जम्मू-कश्मीर के नगरोटा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सेवाएं दीं। इस अवसर पर लोकेश कुमार साहू ने कहा कि भारतीय सेना में सेवा करना उनके जीवन का सबसे गौरवपूर्ण अनुभव रहा है। उन्होंने युवाओं से देश सेवा और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। समारोह में बड़ी संख्या में ग्रामीण, मित्रगण और परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

जच्चा-बच्चा की मौत की जांच रिपोर्ट पर परिजनों ने उठाए सवाल एवं किया संदेह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भानुप्रतापपुर

ग्राम चाहचाँड की प्रसूता द्रौपदी कोमरा और उसके नवजात शिशु की मौत से जुड़े चर्चित मामले में स्वास्थ्य विभाग की जांच रिपोर्ट तैयार होकर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय पहुंच चुकी है। इसके बावजूद रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं किए जाने से मामले को लेकर नए सवाल खड़े होने लगे हैं। परिजनों और क्षेत्रवासियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद भी रिपोर्ट का खुलासा न होना कई तरह की आशंकाओं को जन्म दे रहा है।

गौरतलब है कि द्रौपदी कोमरा और उसके नवजात शिशु की मृत्यु के बाद परिजनों ने भानुप्रतापपुर स्थित गौतम हॉस्पिटल पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए थे। मामला सामने आने के बाद क्षेत्र में व्यापक चर्चा हुई और स्वास्थ्य विभाग ने इसकी गंभीरता को देखते हुए जांच समिति का गठन किया था। समिति ने अस्पताल प्रबंधन, चिकित्सकों और अन्य स्टाफ से पूछताछ की तथा उपचार से जुड़े दस्तावेजों, मेडिकल रिकॉर्ड और अन्य आवश्यक तथ्यों की विस्तृत जांच की।

सूत्रों के अनुसार जांच रिपोर्ट पिछले सप्ताह ही तैयार होकर संबंधित अधिकारियों तक पहुंच गई थी। हालांकि रिपोर्ट में क्या निष्कर्ष निकाले गए हैं और किसे जिम्मेदार माना गया है, इसकी आधिकारिक जानकारी अब तक सामने नहीं आई है। यही कारण है कि रिपोर्ट सार्वजनिक करने में हो रही देरी को लेकर लोगों के बीच चर्चा और असंतोष बढ़ता जा रहा है। इस बीच क्षेत्र में यह भी चर्चा है कि रिपोर्ट को जानबूझकर लंबित रखा जा रहा है। वहीं कुछ लोगों का दावा है कि अस्पताल प्रबंधन भी मामले को लेकर अधिकारियों के संपर्क में है। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है और प्रशासन की ओर से भी इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक करने की मांग ताकि लापरवाही उजागर हो

जिला प्रशासन की ओर टिकीं निगाहें

इधर मृतका के परिजन न्याय की मांग को लेकर लगातार प्रशासनिक अधिकारियों और स्वास्थ्य विभाग के कार्यालयों के चक्कर लगा रहे हैं। उनका कहना है कि यदि जांच पूरी हो चुकी है तो रिपोर्ट को सार्वजनिक करने में देरी नहीं होनी चाहिए। लोगों का मानना है कि इतने संवेदनशील मामले में पारदर्शिता और त्वरित निर्णय आवश्यक है, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके और यदि किसी स्तर पर लापरवाही साबित होती है तो दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जा सके। मामले पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरएस ठाकुर ने बताया कि जांच रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है, लेकिन उसके निष्कर्षों की घोषणा जिला कलेक्टर स्तर से की जाएगी। उन्होंने कहा कि कलेक्टर की व्यस्तता के कारण रिपोर्ट अभी तक सार्वजनिक नहीं हो सकी है।

दुर्भावना के चलते गांव के प्रतिष्ठित व्यक्तियों को निशाना बनाने का आरोप

ग्रामसभा के फैसले के बाद गांवों में विवाद पर कठोर कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भानुप्रतापपुर

क्षेत्र के ग्राम जुनवानी, बिक्रमगंज, बोटचांग एवं कोकड़े के ग्रामीणों ने थाना भानुप्रतापपुर में आवेदन सौंपकर कुछ व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि संयुक्त ग्रामसभा द्वारा लिए गए सर्वसम्मत निर्णय से नाराज होकर कुछ लोगों ने व्यक्तिगत दुर्भावना के चलते गांव के प्रतिष्ठित व्यक्तियों को निशाना बनाते हुए पुलिस में शिकायत की, जिसके आधार पर उनके खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई।

ग्रामीणों द्वारा दिए गए आवेदन के अनुसार 4 मई को ग्राम जुनवानी में ग्राम बिक्रमगंज, जुनवानी, बोटचांग एवं कोकड़े की संयुक्त ग्रामसभा आयोजित की गई थी। बैठक में चारों गांवों के ग्रामीण बड़ी संख्या में शामिल हुए थे। ग्रामसभा में पारंपरिक सामाजिक व्यवस्था, रीति-रिवाजों तथा गांव की मान्यताओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। चर्चा के बाद सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि गांव की परंपराओं एवं सामाजिक नियमों का पालन नहीं करने वाले व्यक्तियों को तेंदूपत्ता तोड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी तथा उन्हें गांव के सामूहिक कार्यों और आयोजनों में शामिल नहीं किया जाएगा।

ग्रामीणों का कहना है कि यह निर्णय किसी एक व्यक्ति या समूह का नहीं बल्कि चारों गांवों की संयुक्त ग्रामसभा का सामूहिक निर्णय था। इसके बावजूद ग्रामसभा के निर्णय से असंतुष्ट कुछ लोगों द्वारा गांव के गायता, पटेल तथा अन्य प्रमुख व्यक्तियों को निशाना बनाकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। आवेदन में उल्लेख किया गया है कि ग्राम जुनवानी निवासी दान सिंह कुमार, ग्राम बिक्रमगंज निवासी संतूराम दर्रो तथा ग्राम बोटचांग निवासी सुखनाथ दर्रो द्वारा थाना भानुप्रतापपुर में शिकायत प्रस्तुत की गई थी। ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायत का उद्देश्य ग्रामसभा के सामूहिक निर्णय को व्यक्तिगत विवाद का रूप देकर कुछ लोगों को परेशान करना था। चारों गांवों के ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा शिकायत दुर्भावनापूर्ण पाए जाने पर शिकायतकर्ताओं के खिलाफ भी उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि एकतरफा कार्रवाई से गांवों में सामाजिक तनाव बढ़ रहा है और आपसी सौहार्द प्रभावित हो रहा है।

खाद किल्लत पर सरकार तुरंत करे हस्तक्षेप : विधायक सावित्री मंडावी

दुर्गुकोंदल। खरीफ सीजन की शुरुआत के साथ ही क्षेत्र के किसानों के सामने खाद, बीज और डीजल की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। सहकारी समितियों, सोसायटियों और खाद वितरण केंद्रों में किसानों की लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं, लेकिन मांग के अनुरूप खाद उपलब्ध नहीं हो पा रही है। वहीं कई क्षेत्रों में किसानों को डीजल के लिए भी घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। इस स्थिति को लेकर विधायक ने सरकार और प्रशासन पर सवाल उठाते हुए किसानों के हित में तत्काल प्रभावी कदम उठाने की मांग की है।

■ किसानों के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं

विधायक सावित्री मनोज मंडावी ने कहा कि प्रदेश के किसान खरीफ फसलों की बुवाई की तैयारी में जुट चुके हैं, लेकिन समय पर डीएपी, यूरिया और अन्य आवश्यक उर्वरकों की उपलब्धता नहीं होने से उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ ही डीजल की कमी ने किसानों की मुश्किलों को और बढ़ा दिया है। कई पेट्रोल पंपों में किसानों को पर्याप्त मात्रा में डीजल नहीं मिल पा रहा है, जिससे कृषि कार्य प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। यह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं बल्कि किसानों के साथ सीधा अन्याय है। यदि समय पर खाद और डीजल उपलब्ध नहीं कराया गया तो बुवाई कार्य प्रभावित होगा, जिसका सीधा असर फसल उत्पादन और किसानों की आय पर पड़ेगा। उन्होंने सरकार से मांग की कि केवल घोषणाओं तक सीमित रहने के बजाय जमीनी स्तर पर व्यवस्थाओं को मजबूत किया जाए और खाद भंडारण, आपूर्ति तथा वितरण व्यवस्था की तत्काल समीक्षा कर आवश्यक कदम उठाए जाएं।

खाद वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि वास्तविक किसानों तक उचित मात्रा में खाद पहुंचना चाहिए। साथ ही खाद की कालाबाजारी, जमाखोरी और वितरण में हो रही अनियमितताओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि कई क्षेत्रों से शिकायतें मिल रही हैं कि सरकारी केंद्रों में किसानों को पर्याप्त खाद नहीं मिल रही, जबकि निजी स्तर पर अधिक कीमतों पर खाद बेची जा रही है। ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। किसानों को केवल खाद ही नहीं बल्कि गुणवत्तापूर्ण बीज भी समय पर उपलब्ध कराया जाना आवश्यक है।

गरीबों की थाली से गायब हो रही हरी सब्जियां, दामों ने बढ़ाई चिंता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पखांजुर

लगातार बढ़ती महंगाई का असर अब सीधे आम लोगों की रसोई पर दिखाई देने लगा है। बाजार में हरी सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं, जिसके चलते गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों की थाली से हरी सब्जियां धीरे-धीरे गायब होती नजर आ रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से बाजार खरीदारी करने पहुंचे लोग महंगी सब्जियों के कारण जरूरत भर की भी सब्जी लेने से परहेज कर रहे हैं।

स्थानीय रविवार कापसी बाजार में टमाटर 80 रुपये किलो, बैंगन 60 रुपये किलो, करेला 80 रुपये किलो, फूलगोभी 100 रुपये किलो और पत्ता गोभी 80 रुपये किलो तक बिक रही है। बढ़ी हुई कीमतों ने आम उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ा दी है। ग्रामीणों का कहना है कि रोजमर्रा की जरूरतों का खर्च पहले ही बढ़ चुका है, ऐसे में महंगी सब्जियां खरीदना मुश्किल हो गया है। किसानों के अनुसार इस बार भीषण गर्मी और मौसम के असंतुलन के कारण सब्जियों की पैदावार प्रभावित हुई है। पर्याप्त उत्पादन नहीं होने से बाजार में आवक कम हो गई है, जिसका सीधा असर कीमतों पर पड़ा है। वहीं व्यापारियों का कहना है कि बाजार में जितनी मात्रा में सब्जियों की मांग है, उसकी तुलना में उत्पादन कई गुना कम हो रहा है। यही कारण है कि सब्जियों के दाम लगातार बढ़ते जा रहे हैं। व्यापारियों ने बताया कि यदि मौसम अनुकूल नहीं हुआ और उत्पादन नहीं बढ़ा, तो आने वाले दिनों में कीमतों में और बढ़ोतरी हो सकती है। महंगाई की इस मार ने गरीब परिवारों की रसोई का बजट बिगाड़ दिया है और लोगों को अब हरी सब्जियां खरीदने से पहले कई बार सोचने पर मजबूर होना पड़ रहा है।

तीजन बाई सम्मान समारोह के पोस्टर का हुआ विमोचन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्गुकोंदल

छत्तीसगढ़ की लोककला, संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए कार्यरत तुलसी मानस प्रतिष्ठान, जिला कांकेर द्वारा आयोजित शपथ ग्रहण समारोह एवं पद्म विभूषण डॉ. तीजन बाई आरुग सम्मान समारोह के पोस्टर का भव्य विमोचन किया गया। कार्यक्रम में जगदीश देशमुख, राजेंद्र ठाकुर, केआर.गजबल्ला, लखन नेताम, डॉ. देवेंद्र साहू, विकास राजू नायक, लोकेश साहू सहित साहित्यकार, मानस प्रेमी, लोक कलाकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहें। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि डॉ. तीजन बाई ने अपनी अद्वितीय कला साधना से पंडवानी को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाकर छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को विश्व मंच तक पहुंचाया है। अभिनेता अलीम बंशी ने कहा कि डॉ. तीजन बाई छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक चेतना और लोक आत्मा की सशक्त प्रतीक हैं।

तुरंत आराम के लिए
तुलसी आयुर्वेदिक चिकित्सालय
पता - तुलसी निवास, बस स्टैंड के पीछे, उपाध्याय नर्सिंग होम के सामने, धमतरी मो.नं. : 9993010732
लकवा रोग, वातरोग - सभी प्रकार के दर्द, गठियाबात, साइटिका, झुनझुनी वात, कमरदर्द, घुटना दर्द, अकड़न, नस रोग का इलाज
चर्मरोग - दाद, खुजली, बेमची, मुंह में छाला होना का इलाज
पेट रोग - कब्ज, गैस, भूख न लगना, खट्टी डकार आना का इलाज
बवासीर - मस्सा होना, खून निकलना, खुजली होना का इलाज
पुरूष रोग - घातुस्राव, शीघ्रपतन व कमजोरी का इलाज
स्त्री रोग - लाल, सफेद पानी आना, मासिक रुकावट का इलाज
बुखार, खांसी, स्वांसरोग, मूत्ररोग, केशरोग, दांतरोग का इलाज